

## विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार बनाएं मूक

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा गुरु दक्षता कार्यक्रम का तीसरा दिन - मूक यानी मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स तैयार करने की दी जा रही है ट्रेनिंग

कार्यक्रम के तीसरे दिन जारी रही अकादमिक महत्व के वीडियो बनाने की ट्रेनिंग

**पटना. 27 मार्च 2025.** तकनीकी का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार कंटेंट बनाने पर शिक्षा को नया विस्तार दिया जा सकता है। आज के दौर में नई पीढ़ी के लिए पठन-पाठन के मायने पहले जैसे नहीं हैं, ऐसे में शिक्षकों को भी अपनी शिक्षण शैली और माध्यम में समय के अनुसार



परिवर्तन लाने की जरूरत है। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित गुरु दक्षता कार्यक्रम यानी एफडीपी के तीसरे दिन. यह चर्चा हुई। इस एफडीपी में मूक यानी मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स तैयार करने की दी जा रही है ट्रेनिंग। इस एफडीपी का आयोजन आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो० डॉ० शरद कुमार यादव की प्रेरणा से किया जा रहा है।

पहले सत्र का शुभारंभ मुख्य वक्ता और आज के प्रशिक्षक श्री कृष्ण कांता रॉय, सहायक प्रोफेसर सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे के स्वागत से हुआ। एफडीपी संयोजक एआईयू-एकेयू-एएडीसी की कोआर्डिनेटर तथा स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन की प्रभारी डॉ० मनीषा प्रकाश ने अतिथि वक्ता एवं प्रशिक्षक और प्रतिभागियों का स्वागत किया और एफडीपी के सफल संचालन में सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय और भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से संचालित अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केंद्र की ओर से निकट भविष्य में भी शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मूक प्रोडक्शन पर आधारित एफडीपी के

समापन के बाद भी जो प्रतिभागी मूक प्रोडक्शन करना चाहते हैं. उनके विकास के लिए आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय का स्कूल ऑफ जर्नलिज्म हमेशा सहयोग के लिए तैयार रहेगा। इसके लिए संस्थागत रूप से संभावित समझौते भी करने का प्रयास करेगा। एफडीपी के पहले सत्र में सभी प्रतिभागियों ने अपने अब तक के अनुभव को साझा किया और अपने सुझाव भी दिए।



मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक के के रॉय ने प्रतिभागियों को मूक प्रोडक्शन के चार आयामों के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि वीडियो को इंटरैक्टिव बनाने के लिए ऑनलाइन टूल्स का किस प्रकार से इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वीडियो में रिफ्लेक्टिव प्वाइंट्स होने ज़रूरी हैं। साथ ही विद्यार्थियों का वीडियो लेक्चर के प्रति रूझान बनाए रखने के लिए किज़ आदि का किस प्रकार से समायोजन किया जाना चाहिए इसका भी प्रशिक्षण दिया। एफडीपी के सह संयोजक डॉ संदीप कुमार दुबे ने कहा कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय का प्रयास है कि बिहार की उच्च शिक्षा का स्तर तेजी से आगे बढ़े। विश्वविद्यालय भारत के पुराने गौरव को वापस लाने में सहायक अकादमिक गतिविधियां लगातार आयोजित कर रहा है। 25 मार्च से आयोजित इस कार्यक्रम में मूक प्रोडक्शन में दक्ष शिक्षाविदों द्वारा पांच दिनों तक ट्रेनिंग दी जा रही है।